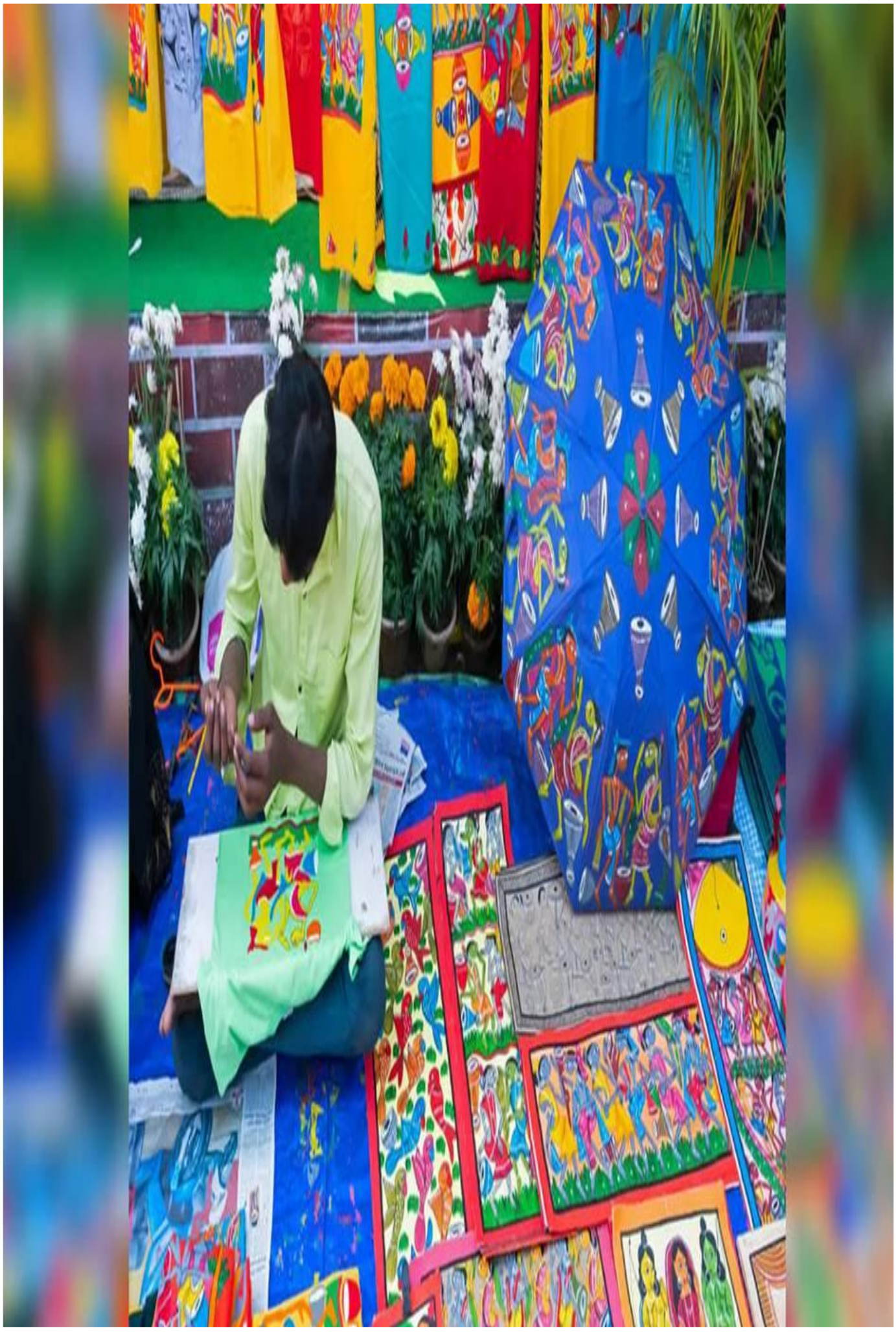

डॉ. भीमराव अम्बेडकर शासकीय महाविद्यालय पामगढ़ जांजगीर-चाँपा (छ.ग.)

धरोहर-2023

चतुर्थ-संकरण

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य कि कलम से

॥ विद्या ददातिविनयम ॥

" डॉ. भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय पामगढ़ , जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) की महाविद्यालयीन पत्रिका 'धरोहर' के (चौथा) प्रवीनतम अंक आपके हाथों में सौंपते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह हमारे समस्त अनुभवी एवं ऊर्जावान प्राध्यापकों , छात्र-छात्राओं के मौलिक, बौद्धिक क्षमता का एक विनम्र प्रदर्शन है।

यह पत्रिका भारतीय सभ्यता और संस्कृति की पावन धरोहर है। छत्तीसगढ़ की माटी और छत्तीसगढ़िया अस्मिता और पहचान की एक झलक है। अभी हाल ही में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा मूल्यांकित 'बी' ग्रेड (२.२२ अंक) स्तर का महाविद्यालय हो गया है। महाविद्यालय की शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक (खेलकूद , सांस्कृतिक, एन.एस.एस. रेडक्रॉस इत्यादि) गतिविधियों का सटीक एवं समग्र मूल्यांकन है। उच्च शिक्षा विभाग, छ.ग. शासन, जनप्रतिनिधियों, जनभागीदारी एवं गणमान्य नागरिकों के यथोचित सहयोग का सुखद परिणाम है।

आपके सहयोग और सार्थक प्रयास के प्रति मेरी ओर से शुभकामनाएं।

प्रो. जे. पी. साहू
प्राचार्य
डॉ. भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय पामगढ़
जांजगीर-चांपाछत्तीसगढ़

Patron - Mr. J. P. Sahu

Chief Editor: Dr. Ashish Tiwari

(IQAC COORDINATOR)

Editors - Dr. S.K.Tripathi(English)

Mr. B.P. Patley(Sociology)

Dr. Tarnish Gautam (Hindi)

Dr. S.R. Mahendra (Political Science)

Ms. Mira Tandon (Commerce)

Student Editor - Dipendra Kumar B.Sc.III (Maths)

सम्पादकीय

कॉलेज पत्रिका धरोहर 2023 का हिस्सा होना मेरे लिए अत्यंत गर्व एवं सौभाग्य की बात है। यह प्रत्येक छात्र को अपने सीखने के कौशल को विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। कॉलेज का मुख्य जोर अतिरिक्त पाठ्यचर्या और सहपाठयक्रम गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को आकार देने के लिए मानवीय उत्कृष्टता प्राप्त करना है और उनमें नैतिक मूल्यों को स्थापित करना है। जो हमारे नवोदित प्रतिभाओं ने अपने विचारों को व्यक्त किया है। विचारों, आशाओं, भावनाओं एवं आकांक्षाओं एवं विश्वासों की एक में रचनात्मक तरीके से। वास्तव में यह है कि कैसे उनके मानसिक , मनोवैज्ञानिक एवं बौद्धिक क्षितिज को व्यवस्थित करें। तथा कॉलेज पत्रिका यह दर्शाती है कि कैसे कॉलेज अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। जैसा कि आप रिश्तों के माध्यम से देख सकते हैं कि आपको प्रबुद्ध करेगा। इस वर्ष हमारे कॉलेज में जो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। मैं इस रचनात्मक कार्य के लिए मुझ पर विश्वास करने के लिए हमारे प्राचार्य को तहे दिल से धन्यवाद करता हूँ। संपादकीय बोर्ड में हमारे सम्मानित सदस्यों और छात्र सदस्यों को भी उनके सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूँ।

डॉ. आशीष तिवारी .

आइक्यूएसी समन्वयक

राष्ट्रीय सेवा योजना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

स्वतंत्रता के पश्चात यह देखा गया कि उच्च शिक्षा अध्ययन करने वाले विद्यार्थी अपने आपको समाज से पृथक समझने लगे तथा समाज से दूरी बनाने लगे। इससे समाज में शिक्षित और अशिक्षित दो वर्ग बनने लगे। तब हमारे देश के शिक्षाविदों ने यह महसूस किया कि उच्च शिक्षा में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को समाज से जुड़ने के लिए क्यों न एक नया पाठ्यक्रम जोड़ दिया जाए जिससे वे समाज से जुड़ सकें। इसी तारतम्य में सर्वप्रथम 1950 में प्रथम शिक्षा आयोग ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा के लिए भावना के आधार पर प्रवेश के लिए संस्तुतिकी। डॉक्टर सी.डी. देशमुख की अध्यक्षता में एक आयोग बनाया गया जिसका उद्देश्य छात्रों को स्नातक कक्षाओं में प्रवेश से पूर्व राष्ट्रीय सेवा अनिवार्य रूप से करनी थी। अप्रैल 1967 में विभिन्न राज्यों के शिक्षामंत्रियों की बैठक में कहा गया कि छात्रों को एक नए कार्यक्रम में, जो राष्ट्रीय सेवा योजना के नाम से बनाया गया था, भाग ले सकते हैं। सितंबर 1967 में कुलपतियों के सम्मेलन में इस प्रस्ताव का स्वागत किया गया। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में राष्ट्रीय सेवा योजना को 5 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया। इसके पश्चात सत्र 1969-70 में शिक्षा मंत्रालय द्वारा समस्त स्नातक कक्षाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना को प्रारंभ किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना ने यह ठाना है,
कोई न रहे निक्षर, सबको पढ़ाना है।।
पढ़ने-लिखने से मिलता है ज्ञान,
आवौ-व पढ़ौ सबोली का अऊसियान।।
आओ सब मिलकर काम करेंगे,
एनएसएस में श्रमदान करेंगे।।

सुनलो बहना सुनलो भाई,
आपस में मत होना लड़ाई।।
स्वच्छता अभियान चलाएंगे,
गांव-गली को सुघ्घर बनाएंगे।।

गुटका छोड़ों, दारू छोड़ो,
नशापान से नता तोड़ो।।
वृक्ष लगाकर बनाऐ हरियाली,
इसी में है हम सबकी भलाई।।

Dr. S.R. Mahendra
राष्ट्रीय सेवा योजना
कार्यक्रम अधिकारी
डॉ. भीमराव अंबेडकर शासकीयमहाविद्यालय, पामगढ़

Tapaswi Guru Amardas ji

The birth of eldest son Guru Amardas ji in the lap of santshiromani Guru baba Ghasidas ji and Mataji Safura maa took place in the holy village of Giroudhpuri on July 1794 on the day of gurupurnima. Guru Amardas ji was rich in virtues and he made the whole world aware of Satnaam with his benevolent satdhari life and work. He wanted to awaken consciousness in unconscious society, taught humanity the right to equality and non-violent duties. According to him spirituality transforms inner life into self-improvement, ,self -control, control of the senses, adherence to dignity, simplicity, humility, character building, good behavior, honesty, courtesy, justice and kindness in external life.

The priceless teachings of Guru Amardas ji:

1. All your work should be done on time. Endurance is the greatest friend of adversity.

2. Satkarma makes a man superior.

3. Truth and non-violence is the best human religion.

4. Always respect the guru and the parents.

5. Vidyadhan is the best among all money.

6. Believing in yourself is the biggest help.

7. Man dies but his knowledge, charity and good deeds keep him immortal.

By

Mira Tandon

Assistant Professor (Commerce)

PLANTS ARE BASIS OF LIFE

Plants **provide us with food, fiber, shelter, medicine, and fuel**. The basic food for all organisms is produced by green plants. In the process of food production, oxygen is released. This oxygen, which we obtain from the air we breathe, is essential to life.

Some important facts:

1. Apple's volume consists of 25% air which is why it floats on water.
2. Bamboo is an extremely rapid growing plant.
3. Gingko Biloba which dates to about 250 million years ago is the oldest living tree species in the world.
4. Plants have air-cleaning qualities around the home.
5. **Mimosa pudica** ("shy, bashful or shrinking"; also called sensitive plant, sleepy plant, action plant, touch-me-not, shameplant) is a creeping annual or perennial flowering plant of the pea/legume family Fabaceae.
6. **Watermeal, Wolffia australiana**, is the smallest flower in the world
7. The flower with the world's largest bloom is the Rafflesia arnoldii.
8. Plants are autotrophs and make their own food in photosynthesis
9. Trees are helpful in reducing the global temperature of the earth.

Laxmi Gauri Kujur Suman
Asst. Professor (Botany)

उम्मीदें

उम्मीदें तो बहुत हैं, मन में कुछ पाने की

अब तो बस जीद है कुछ कर जाने की

ख्वाहिशें जो दबी, हकीकत में होंगे पूरे

नई उम्मीदें हैं जी तोड़ मेहनत करने की

भूत-भविष्य की चिंता छोड़ वर्तमान में

जी अपना कर्म कर और मेहनत का घूंट पी

यह समय नहीं है अंधेरों में भटकने की

जीवन को अब बताश है बस उजियारे की

जो समय बीत गया उसकी चिंता मत कर

जो आने वाला समय है उसकी परवाह कर

वक़्त नहीं है ये गुमनामियों में खोजने की

सुनहरा अवसर है उभरकर ऊपर आने की

कहते आलोक जीवन कुछ समय का डेरा

ईर्ष्या-द्वेष छोड़ कुछ तेरा कुछ मेरा

उम्मीदें तो बहुत हैं, मन में कुछ पाने की

अब तो बस जीद है कुछ कर जाने की

स्वरचित

आलोक चतुर्वेदी

GUEST LECTURER (ENGLISH)

माँ.....

वसुंधरा माँ मेरी स्वप्न सुंदरी, कण-कण में ममता तेरी अपार'।

शांति व सुख की समृद्धि माँ मेरी, निर्मल जल व हरियाली अपार।

नीर, गगन, अनिल, अनल से तूने किया, इस प्राणी' जग का निर्माण ।।

वसुंधरा माँ मेरी स्वप्न सुंदरी, कण-कण में ममता, तेरी अपार

नीर हमें सिखला जाती निरंतर आगे बढ़ना, कठिनाईयाँ

जैसी भी हो निरंतर मंजिल की ओर चलते रहना।

गगन हमें सिखला जाती है स्वतंत्र रहना

खुलकर उड़ना जीना कभी न भटकना उद्देश्य से,

मंजिल की ओर चलते रहना।

वसुंधरा माँ मेरी स्वप्न सुंदरी, कण-कण में ममता तेरी अपार।"

अनिल सीखलाती सीमाओं में रहकर आगे बढ़ना।

धरा सिखलाती हमें धैर्य व दृढ़ रहना

अनल सिखलाती है ऊर्जा का सदुपयोग कर उत्साही न होना।

Annapurna Dhiwar
M. A. PolitcalScience(4th Semester)

“ सब चीज नंदावत हे ”

सब चीजिंद नावताथे

चींव चींव कर के छानही में चिरइया गाना गावत हे।

आनी बानी के मशीन आयले सब चीज नंदावत हे॥

धन कुट्टी मिल के आयले ढेंकी ह नंदागे

घर-घर रजनता चले अब कोन्टा में फेंकागे

गली-गली में बोर होगे तरिया नदिया अटागे।

घर-घर में नल आयगे कुंवा ह नंदागे।

पेड़ल कटइया सब होहे कोनो नइ लगावत हे

आनी बानी के मशीन आयले सब चीज नंदावत हे॥

टेक्टर के आयले कोनो नांगर नइ जोतत हे

गाय बइलाल पोसे ल छोड़ के कुकुर ल अब पोसत हे

कहां ले पाबे दूध दही और कहां ले पाबे मेवा

लछमी ल तो छोड़ के कुकुर के करा थस सेवा

घर में होवत हांव हांव कुकुर क सणरियावत हे

आनी बानी के मशीन आयले सब चीज नंदावत हे॥

मिकसी के आयले सील लोढहा नंदागे

कुकर में खाना बनत हड़िया ह फेकागे

चुल्हा फुंकइया को नोनइ हे गेस सिलेंडर आयगे

निरमा पाउडर में बरतन मांजत राख ह नंदागे

जतकी सुविधा बाढ़त जावत ओतकी आदमी अलसावत हे

आनी बानी के मशीन आयले सब चीज नंदावत हे।

जय छत्तीसगढ़ महतारी

नाम - अभिजीत कुमार खरे B.Sc. III (MATHS)

नारी

महिलाओं के इतने स्वरूप हैं कि हम उन्हें परिभाषित नहीं कर सकते, क्योंकि महिलाएं वो महान शब्द होती हैं जिसकी मैं जितनी व्याख्या करूँ, उतना ही कम होता है।

सभ्यता का दूसरा नाम हैं नारी, मान और सम्मान की पहचान हैं नारी, ममता से परिपूर्ण हैं नारी।

एक स्पर्श से ही अपनापन का एहसास दिला दे, वो प्रभावशाली हैं नारी,

जिसको देखकर ही चेहरा खिल जाए, वो गौरवशाली मुस्कान हैं नारी।

जिनसे हमें सबसे पहले ज्ञान मिला, संस्कृति से हमें अवगत कराने वाली वो सुरक्षा कवच हैं नारी।

नारी जैसी महान कोई होगा दूसरा इस दुनिया में, जो दूसरों के लिए दिए हैं कितने बलिदान,

खुद को करके मायूस, जो दूसरों के चेहरे की मुस्कान बनें, ऐसी खुशियों से परिपूर्ण हैं नारी।

खुद के घर के आंगन को छोड़ दूसरे के घर के आंगन की रौनक बनी वो जिंदगी की महान गीत हैं नारी।

न इसकी अस्तित्व का कोई बखान नहीं किया जा सकता, जिसका कभी अंत नहीं,

अतीत को पीछे छोड़ जो एक नई शुरुआत करे वो महान शक्ति हैं नारी।

दुनिया की हर शब्दों में निहित, जिससे बढ़ती और पीढ़ी है

वो हमारे जीवन को साकार करने वाली वो आधार हैं नारी।

अंधेरों में जो उजाला ला दे, जो कभी संभलना नहीं जानती थी,

वो पराए घर जाकर पूरे परिवार को संभाल लेती है वो महान आदर्श हैं नारी।

अगर हो दुःख तो अपने माता-पिता से न कह सके, दुःख छिपा लेती है,

खुद खामोश हो कर दूसरों को खुश करती है, ऐसी कर्तव्य वाली होती है नारी।

जो पतझड़ में भी फूल खिला देख, खुशियां बसती है, मां के आंचल में, जो हमारी मुस्कान के पीछे का दुःख का आवरण लगाती है, वो खूबसूरत, महान, किरदार तो एक नारी का ही होता है।

आगे बढ़ने की उम्मीद दे, हर मुश्किल समय में अपनों का साथ दे, कि मिट्टी की बनी होती है ये नारी, जो खुद के आंखों को नमक कर के दूसरों के आंखों में आंसू आने दे।

खुश हैं हम सभी नारियाँ की एक दिन नारियाँ के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, खुश हूँ मैं इस दिन के लिए जो महिलाओं को इतना सम्मान मिला, महिलाओं के अस्तित्व को पहचान मिली।

नाम - आरती वर्मा कक्षा - बी.एस.सी.- तृतीय वर्ष

गांव की यादें .....

रोज सबेरे खुद उठती नहीं पंछियों की आवाज़उठाती थी,
मुझे आसमान में छाए लालिमा से एक नया ही जुनून मिल जाता था,
मुझे उगते सूरज की किरणें एक नई ज़िन्दगी को जैसे शुरू कर जाती थी,
गाँव की ओ सुबह–सुबह की बातें बहुत याद आती हैं,
मुझे गाय–बैलो से भरा हुआ गांव था,
हमारा घर छोटे–छोटे ही सही मग़र सब साथ–साथ रहते थे
कोई अजनबी नहीं सब एक परिवार जैसे ही रहते थे
कहा थी शिकायतें किसी को इतनी भी, कोई किसी से इतना दूर न था,
घर के दरवाजे खुले ही रहते थे,
अपनेपन का रिश्ता कायम था पहले नजदीकियां ज्यादा थी,
बीमारियां न होती थी किसी को अब तो हर दरवाजा बंद ही मिलता हैं,
दूरियां भी मिलो की हैं फिर बीमारियां इतनी ज्यादा क्यों हैं।
नये जमाने से लोग बदल गए,
कि बदले लोगों ने जमाना बदल दिया पर
जिसने भी बदला हो पूरा आशियाना बदलगया
गाँव में सब साथ–साथ खेलते थे,
कहा ऐसे रोग बढ़ते थे नये जमाने के नए दस्तूर नज़र आते हैं
दुनिया दारी से रिश्ता – नाता बेशक कम था,
पर खुद का घर–परिवार सवांरा हुआ था,
गाँव के लोगो की सोच पुरानी ही सही पर,
गाँव के लोगो की सोच पुरानी ही सही पर,
हर रोज़ सवेरे सुकूँ का खजाना था,
हमारा गाँव बड़ा ही प्यारा था,
उस सुकूँ की याद सताती हैंमुझे, मेरे गाँव की याद आती हैं

शांति ओग्रे

Class - B.Sc.-III (BIO)

बेटियां

बेटियाँ सबके नसीब में कहाँ होती हैं?
रब को जो घर पसंद आए, वहाँ होती हैं बेटियाँ।
बोए जाते हैं बेटे, पर उग जाती हैं बेटियाँ।
खाद-पानी बेटों को, पर लहराती हैं बेटियाँ।
स्कूल जाती हैं बेटे, पर पढ़ जाती हैं बेटियाँ।
मेहनत करती हैं बेटे, पर अव्वल आती हैं बेटियाँ।
रुलाते हैं जब बहुत बेटे, तब हंसाती हैं बेटियाँ।
नाम करें न करें बेटे, पर नाम की माँती हैं बेटियाँ।
जब दर्द देते हैं बेटे, तब मरहम लगाती हैं बेटियाँ।
छोड़ जाते हैं जब बेटे, तो काम आती हैं बेटियाँ।
आशा रहती है बेटों से पर पूर्ण करती हैं बेटियाँ।
हजारों फरमाइश से भरी हैं बेटियाँ,
पर सच की ज़कात को समझती हैं बेटियाँ।
बेटी को चाँद जैसा मत बनाओ कि हर कोई घूर-घूरकर देखे।
लेकिन बेटी को सूरज जैसा बनाओ ताकि घूरने से पहले सबकी नजर झुक जाए।

Amit Dinkar
B.Sc. II (BIO)

Photo Gallery 2022-23

SPORTS ACHIEVEMENT

Chandraprakash Ratre B. A. II secured 1st position in Intercollege Cross Country Competition (10 km race) and Selected for National level Cross country competition.

Chandraprakash Ratre got 1st position in1500 metre race and Ajay Sahu got 3rd position in 1500 meter race in Sector level athletics competition .

Nirmala Sidar - Winner, 100 meter race, Sector-level Athletics Competition.

Student Dinesh Kashyap secured 4th position in Intercollege Cross Country Competition. And Selected for National level cross country competition.

GEOGRAPHICAL TOUR 2022-23

CHAITURGARH: Shimla of Chhattisgarh

भौगोलिक टूर 2022-23 का अनुभव छत्तीसगढ़ के 'शिमला' कहलाने वाले ऐतिहासिक पहाड़ी नगर, चैतुरगढ़ की यात्रा के बिना अधूरा रहता है। घने जंगलों की गोद में बसा ये मनोरम स्थल अपनी समृद्ध प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर के लिए पर्यटकों को लुभाता है। समुद्र तल से 4400 फीट की ऊंचाई पर स्थित चैतुरगढ़ का सफर हमें रोमांचक पहाड़ी रास्तों से गुजरता हुआ ले जाता है।

वहां पहुंचते ही घाटियों का मनमोहक नजारा , हरियाली का एक बहता हुआ समुद्र दिखाई देता है। यहां का ठंडा मौसम, प्रकृति की खूबसूरती को और भी निखार देता है।

ट्रेकिंग के शौकीन चैतुरगढ़ में अपनी साहसिक इच्छाएं पूरी कर सकते हैं, तो वहीं इतिहास प्रेमी प्राचीन किलों और गुफा मंदिरों के रहस्य खोलने का आनंद लेंगे। सतपुड़ा की पहाड़ियों पर बने मंदिर इस ऐतिहासिक नगर को आध्यत्म का प्रतीक बनाते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए झरने के झरने और जंगल की सैर का आनंद अनोखा है। कुल मिलाकर , चैतुरगढ़ की भौगोलिक यात्रा एक ऐसा अनुभव है, जो मन को शांति, आंखों को सुकून और आत्मा को रोमांच से भर देता है।

KAILASH GUFA

Art Gallery :Mehendi Designs

Divya Dahariya

B.Com II

Divya Dahariya

B.Com II

Divya Dahariya

B.Com II

Divya Dahariya

B.Com II

Divya Dahariya

B.Com II

Pramila Singh Kanwar

B.Sc III(Math)

Amrita Jangdey

B.Sc III(Math)

BEST OUT OF WASTE

Divya Dahariya
B.Com II

Divya Dahariya

B.Com II

Divya Dahariya

B.Com II

Painting

Lakshyapriya Joshi

B.Sc.III(Bio)

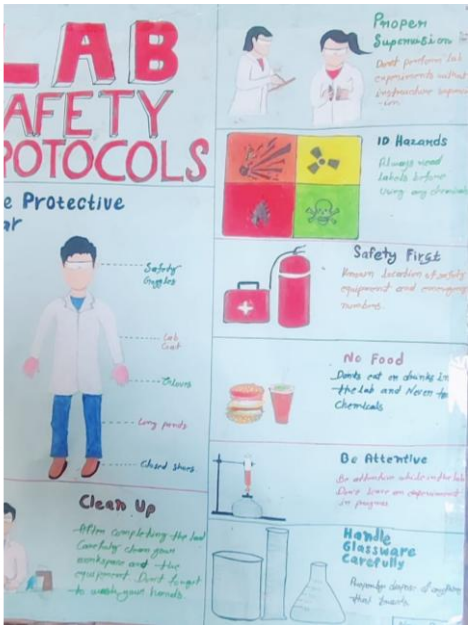

Dipendra Kumar

B.Sc. III (Math)

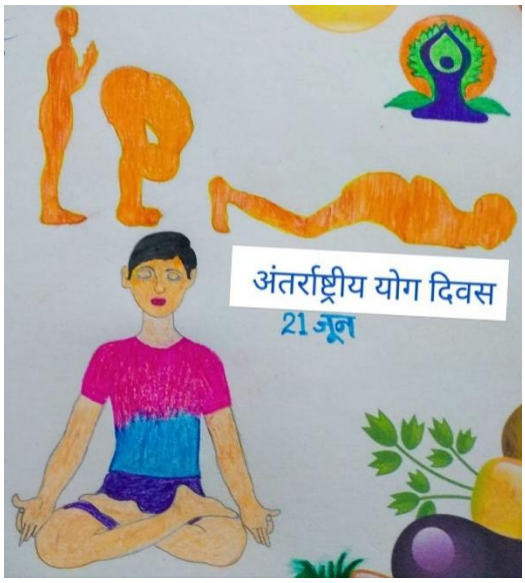

Gyanendra Raj Joshi

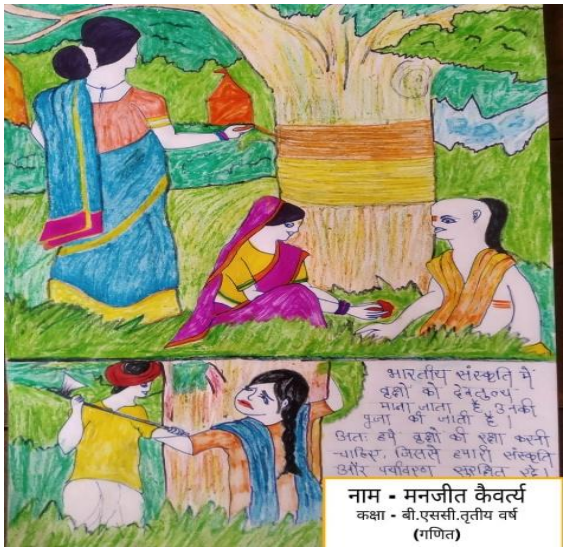

Manjeet Kewat B.Sc. III(Math)

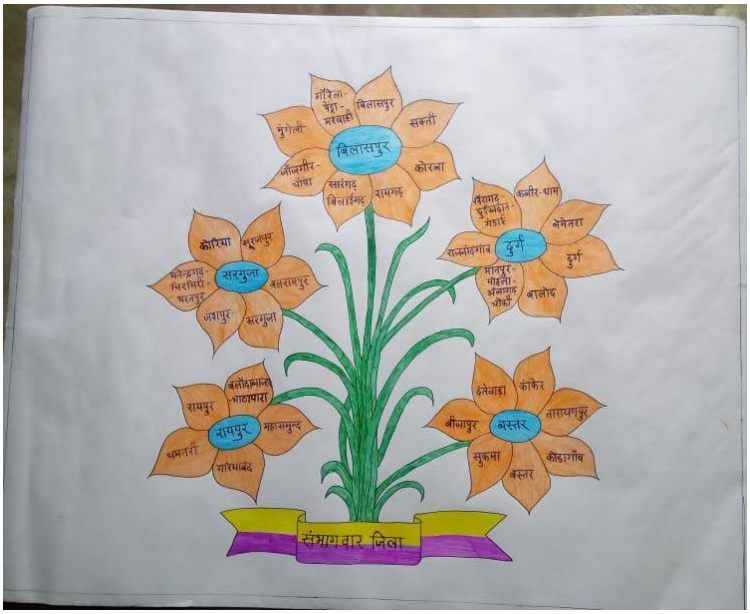

Aarti Kewat B. Sc. II

RANGOLI

Jyoti Kewat

B.Sc.II(Bio)

Nargis Goswami

B.Sc.II(Bio)